AMAR UJALA. 19 FEB 2011

ग्लोबल नजरिया करेगा आगे

कानपुर। ग्लोबल एजूकेशन समय की मांग है। भारतीय प्रबंधन विद्यार्थियों के लिए यह एक बड़ा मौका है। गौर हरि सिंहानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च. सेंटर में आयोजित सेमिनार में अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन गुरुओं ने विश्व बाजार में चीन के बाद भारत के लगातार बढ़ते दबदबे को लोहा माना है। उन्होंने विद्यार्थियों को ग्लोबल नजरिया अपनाने की सलाह दी।

कांफ्रेंस में पुस्तक विमोचन करते प्रो. सोमिल मिश्रा, डा. फियोना जार्डन, डा. जैनी हैरिंगटन, निदेशक प्रो. पृथ्वी यादव व डा. शेखर त्रिवेदी।

ब्रिस्टल लॉ स्कूल कुलपति प्रोफेसर जैने हैरिंगटन ने कहा कि बाजार सीमाएं तोड़ रही हैं। विश्व भर में लगभग एक से ही उत्पाद उपयोग में आ रहे हैं। क्षेत्र विशेष के हिसाब से उत्पादन और मार्केटिंग की जरूरत रहती है।

डॉक्टरों के बाद अब भारतीय प्रबंधकों को विश्व बिरादरी अधिक तरजीह दे रही है। ब्रिस्टल बिजनेस स्कूल डायरेक्टर डॉ.फियोना जार्डन ने कहा कि अमेरिका के बाद तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में चीन का दबदबा है। इसके बाद विश्व में धाक जमाने वाली अर्थव्यवस्था भारतीय है। ऐसे में भारतीय प्रबंधकों की जिम्मेदारी और अहमियत बढ़ जाती है। यही कारण है कि विश्व उनके स्वागत के लिए तैयार खड़ा है। तकनीकी सत्रों में केंट बिजनेस स्कूल के डाइरेक्टर प्रोफेसर राजेंद्र शिरोल, आईटीएम यूनिवर्सिटी गुड़गांव के डीन डॉ.गौर सी साहा, डॉ.राम बीमिश्रा आदि ने भी विद्यार्थियों से अनुभव साझा किए। निदेशक प्रोफेसर पृथ्वी यादव ने अतिथियों का आभार जताया।

PIONEER.

Global management conference held

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The Pro Vice Chancellor and the Executive Dean of the Bristol Business School, Prof Jane Harrington, while addressing the two-day Global Management Conference-2011, at Gaur Hari Singhania Institute of Management and Research on Friday said that in the era of globalisation, higher education had become truly global. She said as per geographical situations, the nations were facing increased competition and the onus rests much on the institutions to produce global leaders in the business world.

International Management Conference being held at GHSIMR on Friday. Pioneer

Underlining the need for technology-improved learning and its vast potential to cross national boundaries, she threw down a gauntlet to the pedagogically accepted methods of testing students knowledge so as to transform the landscape of higher education. She praised the Indian students who had excelled academically not only in the country but abroad and added that the global management education was set to produce experts which would transform the world's economic scenario tomorrow.

In the first technical session the subject topic was 'Financial Analysis and Markets' which was chaired by Prof Sanjay Srivastava while in second topic was 'Marketing and Customer Orientation' discussed by Dr Fiona Jordan, Director of the Bristol Business School at the University of West England in United Kingdom.

In the second session, Prof Rajendra Shirole, Director MBA Programme, Kent Business School, University of Kent, UK discussed 'Technology Driven Approaches'. On the first day 26 technical papers were presented.

Director of the Institute, Prof Prithvi Yadav welcomed the guests and said that the assembly of world class academicians specially belonging to management education was certainly going to benefit the students of Kanpur and help them prove their mettle globally.

Prominent academicians who were taking part in the two-day management conference were Dr Gour C Saha, Dean School of Management, ITM University, Gurgaon, Dr Ram B Misra Professor Management and Information System, Montclair State University, Montclair, NJ, USA and several others.

19 FEB 2011

RASTRIYA SAHARA.

प्रबंधन के लिए वैश्विक शिक्षा जरूरी

जीएचएस-आईएमआर की दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस

डा. गौरहरि सिंहानिया मैनेजमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट कांफ्रेंस में स्मारिका का विमोचन करतीं यूके की प्रो. जेन हेरिंगटन।

कानपुर, (एसएनबी)। डा. गौर हरि सिंहानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (जीएचएस-आईएमआर) सेंटर में शुक्रवार को दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस का उद्घाटन किया गया। इसमें विश्व पटल के जाने-माने शिक्षकों ने वैश्विक शिक्षा पर जोर देकर कहा कि प्रबंधन के शोधार्थियों को इसकी चुनौतियां स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना है। प्रबंधन का क्षेत्र दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है।

कांफ्रेस के पहले दिन 'मोनोग्राफ ऑफ रिसर्च पेपर' का विमोचन मुख्य वक्ता ब्रिस्टल लॉ स्कूल यूके की कुलपति प्रोफेसर जेन हैरिंग्टन द्वारा किया गया। इसी के साथ सम्मेलन में 26 टेक्निकल शोध पत्रों की प्रस्तुति की गयी। उन्हें अंतरराष्ट्रीय जर्नल में निकला जायेगा। इसी के साथ साल के अंत तक इन शोध पत्रों को एक किताब का स्वरूप दिया जायेगा। ताकि शोधार्थियों को इसका लाभ मिल सके। कांफ्रेस में लगभग 10 कालेजों के वक्ताओं ने 3 विषयों पर प्रस्तुति दी, जिसमें वैश्विक शिक्षा को मुख्य रूप से रखा गया। मुख्य वक्ता ने शोधार्थियों को भारत की बढ़ती जीडीपी के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारत जीडीपी रैंकिंग में तीसरे नम्बर पर है। जिस तरह से भारत की जीडीपी रैंकिंग बढ़ रही है उससे साफ होता है कि देश के शोधार्थियों के लिए विश्व पटल पर अच्छी सम्भावनाएं आने वाली हैं। अगर ऐसा होता है तो उन्हें वैश्विक प्रतियोगिता के लिए अभी से तैयार होना होगा। इसके लिए सबसे जरूरी है स्वयं को अधिक से अधिक ग्लोबल एजूकेशन से जोड़े रखना। ताकि वैश्विक परिदृश्य की आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके और विश्व स्तर पर सफलता पायी जा सके। उन्होंने कहा कि विश्व के क्षेत्र में चुनौतियां ज्यादा हो गयी हैं। क्योंकि आज के यह छात्र ही कल जा कर विश्व के व्यापार जगत के नेता बनेंगे। इसलिए वैश्विक शिक्षा अपनायें। इसके बाद दो समानन्तर टेक्निकल सत्र का हुआ। जिसमें पहला सत्र फाइनेंशियल एनालाइसेस एंड मार्केट्स जिसकी अध्यक्षता सीएसजेएम कानपुर आईबीएम के डायरेक्टर प्रो डा. संजय श्रीवास्तव ने की।

दूसरे सत्र में मार्केटिंग एंड कस्टमर ऑरिंटेशन की अध्यक्षता ब्रिस्टल डा. फियोना जॉर्डन ने की। इस अवसर पर प्रो पृथ्वी यादव और डा. शेखर त्रिवेदी आदि उपस्थित रहे।

I NEXT.

Lots of challenges

PIC: I NEXT

कॉन्फ्रेंस में मोनोग्राफ ऑफ रिसर्च पेपर का विमोचन किया गया.

KANPUR (18 Feb): डॉ. गौर हरि सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में दो दिन की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फ्राइडे को संपन्न हुई. कॉन्फ्रेंस में ग्लोबल एजूकेशन और इंटरनेशनल लेवल पर एजूकेशन फील्ड की चुनौतियों के बारे में स्टूडेंट्स को बताया गया. आईबीएम के डायरेक्टर प्रो. संजय श्रीवास्तव ने मार्केट की फाइनेंशियल कंडीशन की जानकारी दी. इस मौके पर ब्रिस्टल लॉ स्कूल, यूके के डीन प्रो. जेन हैरिंगटन और डायरेक्टर डॉ. फियोना जॉर्डेन, क्वेंत बिजनेस स्कूल यूके के डायरेक्टर प्रो. राजेंद्र शिरोले के साथ ही आईटीएम यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. गौर सी साहा और गुड़गांव के डॉ. राम बी मिश्रा भी मौजूद रहे. विदेशी मेहमानों के साथ 'मोनोग्राफ ऑफ रिसर्च पेपर' का विमोचन भी किया गया.

19 FEB 2011

→ DAINIK JAGRAN.

वैश्विक बदलावों से रूबरू होते रहें व्यापार-प्रबंधक

कानपुर, शिक्षा संवाददाता: दिन प्रति दिन हो रहे बदलावों से उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों से रूबरू होकर लगातार अनुभव प्राप्त करने वाले छात्र ही सफल प्रबंधक बन सकते हैं। प्रबंधन संस्थानों को भी इन बदलावों के साथ कदम से कदम मिला कर चलना होगा।

ये विचार डॉ. गौरहरि सिंहानिया इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट की सेमिनार में विशेषज्ञों ने व्यक्त किये। वित्तीय विश्लेषण और बाजार के दो सत्रों तथा विपणन और ग्राहक उन्मुखीकरण तथा प्रौद्योगिकी संचालित दृष्टि कोण के सत्रों में ब्रिस्टल लॉ स्कूल यूके के कुलपति प्रो. जॉन हेरिन्गटन, निदेशक डॉ. गौर सी साहा, निदेशक डॉ. फियोना जार्डेन, आईटी विश्वविद्यालय गुड़गांव के डीन डॉ. आरबी मिश्र तथा क्यूट बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर राजेंद्र सिरोले ने कहा कि शिक्षा का स्तर वैश्विक होने से चुनौतियां बढ़ी हैं। इन चुनौतियों को हल करने वाले ही व्यापार जगत के नेता बनेंगे।

दूसरे सत्रों में राजेंद्र सिरोले ने कहा, पड़ताल, प्रतिस्पर्द्धा व सहयोग की त्रिवेणी पर अमल करके ही विश्व व्यापार में चमका जा सकता है। आईबीएम-सीएसजेएमयू के निदेशक डॉ. संजय श्रीवास्तव ने कहा, प्रबंधकों में बेहतर और जोखिम मुक्त रिटर्न के लिए वित्त की बारीकियों व बाजार का विश्लेषण करने की क्षमता जरूरी है। पहले दिन 26 शोधपत्र पढ़े गये।

निदेशक डॉ. पृथ्वी यादव ने स्वागत किया। प्रो. सुनील मिश्र व व डॉ. शेखर त्रिवेदी ने प्रबंधन किया।

> "जीडीपी में चीन जापान को पछाड़ कर विश्व में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत के लिए यही अनुकूल समय है कि वह विश्व के तीन टॉपर्स देशों में अपना नाम दर्ज कराये।"
>
> – डॉ. फियोना जार्डेन, यूके

> "यूके उच्च शिक्षा का हब बन रहा है परंतु वहां के छात्र भी भारत की ओर देख रहे हैं। उन्हें पता है कि नये विचार व सृजनात्मकता भारत से ही मिल सकती है।"
>
> – प्रो. जॉन हेरिन्गटन, कुलपति (यूके)

HINDUSTAN. ↓

इंगलैंड में भारतीय मैनेजरों का जलवा, विश्व में आगे

जीएचएस–आईएमआर में 'इंटरनेशनल मैनेजमेंट कांफ्रेंस 2011'

वरिष्ठ संवाददाता

कानपुर

डॉ. गौरहरि सिंहानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च (जीएचएस-आईएमआर) में शुक्रवार को 'इंटरनेशनल मैनेजमेंट कांफ्रेंस 2011' में विदेशी वक्ताओं ने कहा कि विकसित देशों के मुकाबले विकासशील देशों के मैनेजर दुनिया में हावी हैं। विशेषतौर पर इंग्लैण्ड में तो भारतीय मैनेजरों का जलवा है। ब्रिस्टल लॉ स्कूल, यूके के कुलपति प्रोफेसर जेन हैरिंगटन ने कहा कि वैश्विक शिक्षा आज के युग में महत्वपूर्ण हो गई है। अब ऐसे मैनेजर तैयार करने की जरूरत है जो विश्व व्यापार में भागीदार बन सकें। अमेरिका के मुकाबले चीन और भारत में तैयार मैनेजर वैश्विक सोच में काफी आगे हैं। इंग्लैण्ड में भारतीय मैनेजरों को जबर्दस्त बोलबाला है। वक्त की जरूरत के हिसाब से प्रबंधन शिक्षा चलती रही तो भारत कई कदम आगे निकलेगा।

ब्रिस्टल बिजनेस स्कूल, यूके के डॉ. फियोना जॉर्डन ने कहा कि जीडीपी के आधार पर अभी चीन ने बाजी मारी है, आगे भारत का नंबर है। पूरी दुनिया भारत को बढ़ती ताकत के रूप में देख रही है।

केंट बिजनेस स्कूल, यूके के प्रोफेसर राजेंद्र शिरोले, आईटीएम यूनिवर्सिटी, गुड़गाँव के डीन डॉ. गौर सी साहा, जीएचएस के निदेशक प्रोफेसर पृथ्वी यादव और डॉ. राम बी मिश्रा के बीच 'मोनोग्राफ ऑफ रिसर्च पेपर' का अनावरण किया गया।

आईबीएम, कानपुर के प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्टॉक मार्केट को भावनात्मक प्रभावों के बजाए तथ्यात्मकता की ओर ले जाया जाए। कंपनी का मूल्यांकन संपत्ति के आधार पर न कर के उसकी क्षमता के आधार पर किया जाना चाहिए।

व्यक्ति व्यक्तिगत आधार पर वित्तीय शोध न कर मॉडल के आधार पर करे। कंपनियों को केवल वित्तीय आधार पर अमीर बनने की प्रवृत्ति छोड़नी चाहिए और गरीबों के उत्थान पर ध्यान देना चाहिए।

शुक्रवार को गौरहरि सिंघानिया इंस्टीट्यूट में आयोजित सेमिनार में रिसर्च पेपर का अनावरण किया गया। • हिन्दुस्तान